1 पुष्प की अभिलाषा

प्रस्तावना : इस कविता में कवि ने पुष्प की इच्छा द्वारा यह बतलाने का प्रयास किया है कि सांसारिक सुखों की अपेक्षा देश के लिए मर मिटने वाले अधिक महत्त्वपूर्ण हैं। कविता में प्रयुक्त सरल भाषा द्वारा कवि अपनी बात पाठकों के दिलो-दिमाग में सीधे उतारने में सफल रहे हैं।

चाह नहीं मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ।।

चाह नहीं सम्राटों के शव पर
हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।

मुझे तोड़ लेना वनमाली
उस पथ पर तुम देना फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

– माखनलाल चतुर्वेदी

शब्दार्थ – गूँथना–पिरोना/To string, चाह–इच्छा/Desire, वनमाली–उपवन की देखभाल करनेवाला/Gardner.

शिक्षा – हमें देश प्रेम तथा देश के सम्मान हेतु स्वयं को न्योछावर करने की शिक्षा मिलती है।

अभ्यास से सीखें

संकलित अभिव्यक्ति

1. व्याकरणिक शब्द-ज्ञान –

(क) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

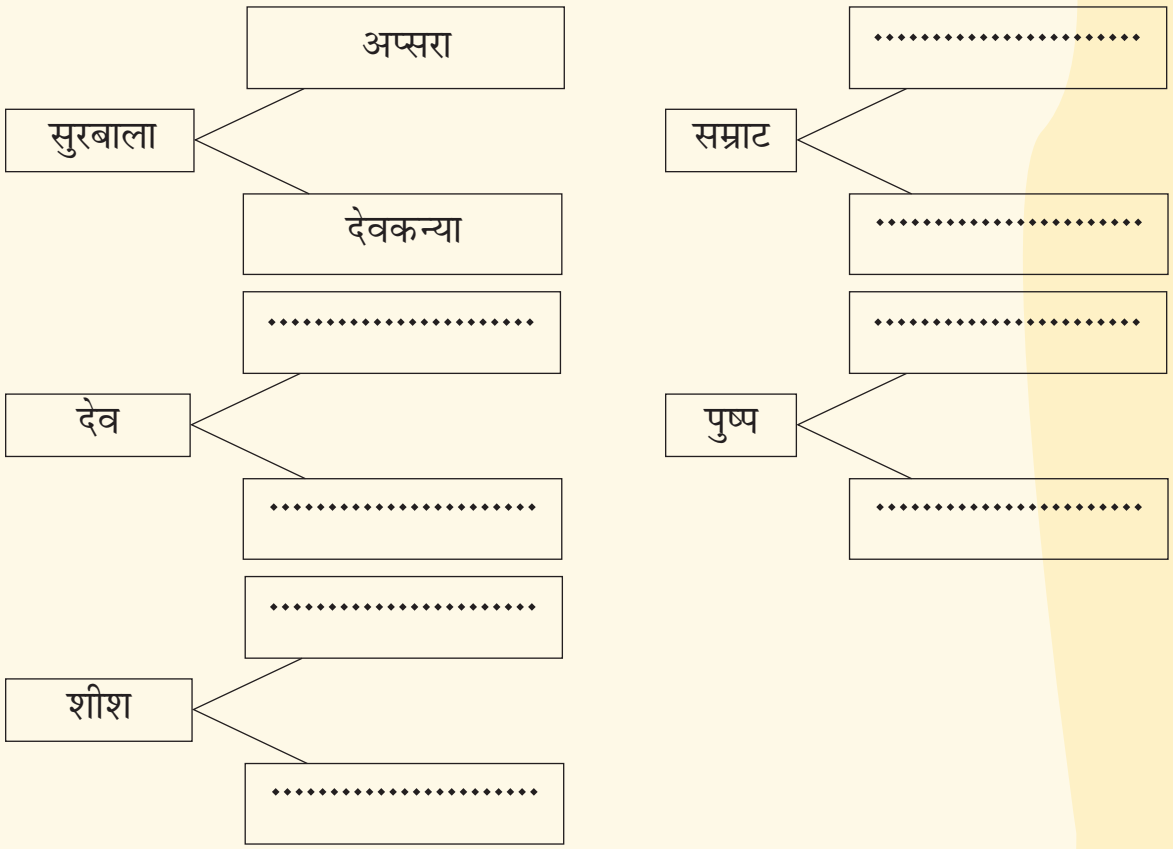

(ख) विलोम शब्द लिखिए–

भाग्य	=	.....	सुख	=	.....
जीवन	=	.....	अनेक	=	.....
स्वामी	=	.....	रंगीन	=	.....

मौखिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) क्या आपने किसी वस्तु की अभिलाषा की है?

(ख) क्या वह वस्तु आपको मिली?

(ग) यदि पुष्प के पास बोलने की प्रतिभा होती तो वह ईश्वर से क्या माँगता?

लिखित

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) कवि और कविता का नाम लिखो।

(ख) फूल क्या नहीं चाहता है?

(ग) फूल की क्या अभिलाषा है?

(घ) फूल वीरों के पथ पर क्यों बिछना चाहता है?

(ङ) फूल के द्वारा कवि ने अपनी किस इच्छा को प्रकट किया है?

वैकल्पिक

4. सही उत्तर पर (✓) सही का निशान लगाइए।

(क) फूल किसके गहनों में गुँथना नहीं चाहता?

(*i*) नर्तकी ◯ (*ii*) गायिका ◯ (*iii*) सुरबाला ◯

(ख) फूल किस के शव पर डलना नहीं चाहता?

(*i*) धनी ◯ (*ii*) सम्राटों ◯ (*iii*) वैभवशालियों ◯

(ग) पुष्प देवों के सिर पर चढ़कर क्या नहीं करना चाहता?

(*i*) इठलाना ◯ (*ii*) मंडराना ◯ (*iii*) गाना ◯

(घ) फूल किसको तोड़ने के लिए कह रहा है?

(*i*) माली ◯ (*ii*) वनमाली ◯ (*iii*) मालिक ◯

(ङ) वीर मातृभूमि पर क्या करने जा रहे हैं?

(*i*) फूल चढ़ाने ◯ (*ii*) प्रण करने ◯ (*iii*) शीश चढ़ाने ◯